P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-IV, ISSUE-III, February-2016
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

जिला उद्योग केन्द्र एवं उद्यमियों के मध्य सहसम्बन्ध (राजस्थान के सीकर जिले का एक अनुभवमूलक अध्ययन)

सुरेश के वर्मा
व्याख्याता,
लोक प्रशासन विभाग,
राजकीय बांगड़ महाविद्यालय,
डीडवाना (नागौर) राजस्थान

सारांश

औद्योगिक नीतियों के बारम्बार परिवर्तन होते रहने से यह स्पष्ट कर दिया गया कि उद्यमियों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएँ एवं सहायता देना उचित हो गया। इसी कारण 1948, 1956 की औद्योगिक नीतियों के फलस्वरूप कुछ खामियाँ प्रकट हुई, जिसमें बेरोज़गारी में वृद्धि हुई, ग्राम तथा नगर में असमानता की खाई चौड़ी हो गई और वास्तविक विनियोग की दर बाधित हो गई, औद्योगिक उत्पादन दर भी बढ़ नहीं पाई एवं औद्योगिक रूग्णता का अनुपात वृहद् हो गया तथा मुख्य उद्योगों यथा लघु एवं ग्रामोद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा। बड़े नगरों से दूर क्षेत्राों में औद्योगिक नीतियों का क्रिया प्रसार बहुत ही धीमा रहा। इस हेतु जनता सरकार के तत्कालीन उद्योग मंत्रो श्री जॉर्ज फर्नाण्डीज ने 1978 में प्रत्येक जिले में एक ऐसे ज़िला उद्योग केन्द्र (डिस्ट्रिक्ट इण्डस्ट्रीज सेन्टर) स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जो लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास का केन्द्र बिन्दु बन सके।

मुख्य शब्दः अभिकरण, उद्यमियों, ज़िला उद्योग केन्द्र, औद्योगिक विकास, संस्थानिक अभिकर्ता, संरचनात्मक ढ़ाँचा, रीको, खादी ग्रामोद्योग (के.वि.आई.), राजस्थान वित्त निगम (आर.एफ.सी.), ब्यूरो (बिप), राज सहायता (सब्सिडी), उद्यमी (एन्टरप्रन्योर), लघु औद्योगिक इकाइयां, विपणन, ऋण, रूग्ण, स्वीकृति/'क्लीयरेन्स, डी.आई.सी।

पस्तावना

औद्योगिक नीतियों के बारम्बार परिवर्तन होते रहने से यह स्पष्ट कर दिया गया कि उद्यमियों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएँ एवं सहायता देना उचित हो गया। इसी कारण 1948, 1956 की औद्योगिक नीतियों के फलस्वरूप कुछ खामियाँ प्रकट हुई, जिसमें बेरोज़गारी में वृद्धि हुई, ग्राम तथा नगर में असमानता की खाई चौड़ी हो गई और वास्तविक विनियोग की दर बाधित हो गई, औद्योगिक उत्पादन दर भी बढ़ नहीं पाई एवं औद्योगिक रूग्णता का अनुपात वृहद् हो गया तथा मुख्य उद्योगों यथा लघु एवं ग्रामोद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा। बड़े नगरों से दूर क्षेत्रों में औद्योगिक नीतियों का क्रिया प्रसार बहुत ही धीमा रहा। इस हेतु जनता सरकार के तत्कालीन उद्योग मंत्री श्री जॉर्ज फर्नाण्डीज ने 1978 में प्रत्येक जिले में एक ऐसे ज़िला उद्योग केन्द्र (डिस्ट्रिक्ट इण्डस्ट्रीज सेन्टर) स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जो लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास का केन्द्र बिन्दु बन सके।[1] इस अभिकरण का उद्देश्य एक ही छत के नीचे नव उद्यमियों को उद्योग सम्बन्धी सभी सुविधाएँ एवं जानकारी उपलब्ध करवाना है। इसी क्रम में प्रत्येक ज़िले में एक ज़िला उद्योग केन्द्र की स्थापना की गई। अपनी मूल संकल्पना के अनुरूप आर्थिक विकास हेतु ज़िला उद्योग केन्द्र, उद्योग सम्बन्धी सभी सूचनाओं का मुख्य केन्द्र होता है। यह केन्द्र जिले के लघु तथा ग्रामोद्योग की आवश्यकताओं की एक संस्थानिक अभिकर्ता के रूप में देखरेख करता है। यह संस्था नवीन औद्योगिक विकास के क्षेत्रा की पहचान की समीक्षा करके, कच्चे माल तथा प्राकृतिक संसाधन, मशीनों और साख सुविधा का प्रमाणीकरण बाज़ार सहायक क्रियाएँ, मूल्य नियन्त्रण इत्यादि कार्य करती है। यह केन्द्र औद्योगिक विकास के विस्तार हेतु वित्तीय अनुदान व अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध करवाता है।

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-IV, ISSUE-III, February-2016
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

ज़िला उद्योग केन्द्र का अर्थ

ज़िला उद्योग केन्द्र का अर्थ 1977 की औद्योगिक नीति में यह संरचनात्मक ढ़ाँचा एक संस्था के रूप में अभिकल्पित किया गया है जिसे ज़िला उद्योग केन्द्र (डी. आई.सी.) का नाम दिया गया। यह केन्द्र लघु एवं ग्रामोद्योग की समस्त आवश्यकता की आपूर्ति व मार्गदर्शन करता है।[2]

मूलतः ग्रामीण क्षेत्र तथा छोटे कस्बों में कुटीर तथा लघु उद्योगों के विस्तार करने के लिए यह केन्द्र स्थापित किया गया है। साथ ही वर्तमान में ज़िले में दूरदराज के क्षेत्र के विकास में सहायता व सुविधाएँ प्रदान करने वाली अन्य संस्थाओं के मध्य समन्वयक के रूप में ज़िला उद्योग केन्द्र ही कार्य करता है। ज़िले में कार्यरत संस्थाएँ यथा–रीको, खादी ग्रामोद्योग (के.वि.आई.), राजस्थान वित्त निगम (आर.एफ.सी.) तीनों सदस्यों के रूप में एक दूसरे विभागों में कार्य संचालन हेतु बनी समितियों के सदस्य हैं।

ज़िला उद्योग केन्द्र के भवन निर्माण तथा प्रशासनिक व्यय का शत–प्रतिशत भार केन्द्र सरकार वहन करती है।[3]

ज़िला उद्योग केन्द्र ज़िले के औद्योगिक विकास हेतु दिशा–निर्देश और उनका प्रभावी क्रियान्वयन करता है। ज़िला उद्योग केन्द्र ब्यूरो (बिप) से प्राप्त सूचनाओं को उद्यमियों को उपलब्ध कराता है।

उद्देश्य

ज़िला उद्योग केन्द्र के कार्यक्रम एवं योजनाओं का मुख्य उद्देश्य लघु उद्योगों का विकास करके बड़े पैमाने पर रोज़गार उपलब्ध करवाना विकेन्द्रीकरण में सहायता करना तथा मशीनी उद्योग, कृषि आधारित उद्योगों का विकास एवं ज़िले के बीजों की किस्म उत्पादन, राज सहायता (सब्सिडी) तथा उपभोक्ता सामानों का उत्पादन बढ़ाना एवं आवश्यक साधन उपलब्ध कराने और गतिशीलता प्रदान करना इत्यादि है।

लघु तथा ग्रामीण उद्योग व्यवहार में राष्ट्रीय प्राथमिकता के क्षेत्र हैं। उत्पादन के अनुरूप उद्योगों की श्रेणी छः समूहों में वर्गीकृत हैं।[4]

1. लघु उद्योग,
2. खादी तथा ग्रामोद्योग,
3. हैण्डलूम,
4. हस्त कर्धा उद्योग,
5. मधुमक्खी पालन, मुर्गीपालन एवं मत्स्य पालन,
6. सह–उद्योग

उद्यमी (एन्टरप्रन्योर)

उद्यमी हितार्थ ज़िला उद्योग केन्द्र निम्न कार्य करता है।[5]

1. उद्योगों का अस्थायी व स्थायी पंजीयन
2. उद्योगों के उत्पादन, विपणन हेतु मुख्य वरीयता प्रमाण पत्र
3. भागीदार फार्म पंजीयन
4. डी.जी. सेट अनुदान
5. ब्याज अनुदान योजना
6. आई.एस.आई. मार्का अनुदान
7. रूग्णता चिन्हीकरण
8. गृह उद्योग योजना
9. बुनकरों का सामुहिक बीमा करवाकर अनुदान एवं हैल्थ पैकेज योजना तथा
10. प्रधानमंत्रो रोगजार योजनान्तर्गत ऋण सुविधा।

इसके अतिरिक्त भी अन्य कार्य करता है जो चार्ट संख्या 1.1 में दृष्टव्य है।[6]

चार्ट संख्या 1.1

ज़िला उद्योग केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाए एवं सहायता

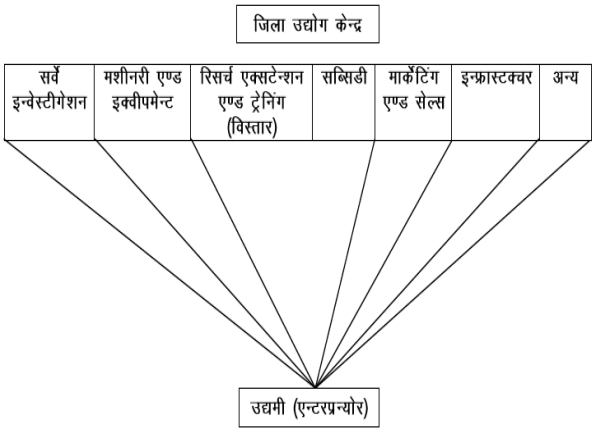

साहित्य समीक्षा

अब तक इस विषय पर कोई शोध नहीं हुआ था मात्र बंसल दिनेश कुमार : डिस्ट्रिक्ट इण्डस्ट्रीज सेन्टर थिसिस, डिपार्टमेन्ट ऑव् बिजनेस, डमिनिस्ट्रेशन यूनीवर्सिटी आव् राजस्थान, जयपुर, 1985 मे इस विषय पर शोध व्यवसायिक प्रशासन मे हुई जो अधिक पुरानी होने के कारण मैने लोक प्रशासन मे इस विषय को शोध का विषय बनाया जो कुटीर ओर लघु उधोगों के लिए महत्वपूर्ण शीघ्र हुआ।

संकल्पना एवं उपकल्पना

जिला उद्योग केंद्र लघु एवं कुटीर उद्योगों की सहायता एवं ऋण अनुदान हेतु कृत संकल्प है जो यह अभिकरण एक छत के नीचे रिको आर एफ सी, के वी आई द्वारा उपलब्ध करवा रहा है।

शोध प्रविधि

मैने इस शोध हेतु प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोतों से आंकड़े एकत्रित करते हुए अनुसूची प्रश्नावली साक्षात्कार के द्वारा अध्ययन किया गया है।

अनुसूची

इस अध्याय मे उतरदाताओ से प्रश्न पूछने के लिए अनुसूची का प्रयोग किया गया है जिला उद्योग केंद्र की प्रशासनिक कार्य प्रणाली व जनसन्तष्टी का आधार सीकर जिले के उद्यमियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को माना गया है उतरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को इस अध्याय मे विश्लेषित करने का प्रयत्न किया गया है उतरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओ को इस अध्याय मे विश्लेषित करने का प्रयत्न किया गया है कुल 32 उत्तरदाताओं से अनुसूची के माध्यम से जानकारी एकत्र की गयी जिसमे

अग्रलिखित प्रश्नो के माध्यम से प्राप्त प्रतिक्रियाओ को विश्लेषित करने का प्रयास किया गया है।

उद्यमियों का लिंग–अनुपात

प्रस्तुत अध्ययन हेतु चयनित उतरदाताओं से उद्यमियों का लिंग–अनुपात जानने का प्रयास किया जा रहा है।

इस सम्बन्ध में प्राप्त जानकारी आगामी तालिका संख्या 6.1 मे दर्शायी जा रही है

तालिका संख्या 6.1
उद्यमियों का लिंग–अनुपात

क्रं. सं.	उद्यमियों का लिंग–अनुपात	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	पुरूष	28	87.50
2.	महिला	04	12.50
	सकल योग	32	100.00

उद्यमियों की वर्ग श्रेणी

उत्तरदाता उद्यमियों से उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि जानने के लिए जो प्रश्न किया गया था उसके उत्तर में प्राप्त प्रतिक्रियाओं को निम्न तालिका में संजोया गया है।

तालिका संख्या 6.2
उद्यमियों की वर्ग श्रेणी

क्रं. सं.	उद्यमियों की वर्ग श्रेणी	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	सामान्य वर्ग	17	53.16
2.	अन्य पिछड़ा वर्ग	15	46.84
3.	अनुसूचित जाति	0	0
4.	टनुसूचित जनजाति	0	0
	सकल योग	32	100.00

उद्यमियों की मासिक आय

इस प्रश्न के माध्यम से यह जानकारी चाही गई कि उद्यम से जुड़े उद्यमियों की मासिक आय क्या है इस संबंध में उत्तरदाताओं द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रियाओं का विवरण तालिका संख्या 6.3 में दर्शाया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.3
उद्यमियों की आय

क्रं. सं.	उद्यमियों की आय	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	5,000 तक	06	18.75
2.	5,000 से 10,000 तक	08	25.00
3.	10,000 से 15,000तक	03	9.37
4.	15,000 से 20,000तक	08	25.00
5.	20,000 से 30,000	04	12.51
6.	50,000 या अधिक	02	6.25
7.	जनकारी नहीं	01	3.12
		32	100.00

उद्यमियों का व्यवसाय

इस प्रश्न के माध्यम से जिले के उद्यमियों के व्यवसाय के संबंध में जानकारी चाही गई। सीकर जिले के उद्यमियों के उद्योग धंधे किस प्रकार के है तथा व्यवसाय करते है, इस प्रश्न के प्रत्युत्तर में प्राप्त प्रतिक्रियाओं में जिले के उद्यमियों के व्यवसायों की जानकारी की गई है। जिले के उद्यमियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को निम्न तालिका के माध्यम से निरूपति किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.4
उद्यमियों की व्यवसाय

क्रं. स.	उद्यमियों की व्यवसाय	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	खाद्य आधारित	04	12.50
2.	कृषि आधारित	03	9.37
3.	खनिज आधारित	17	53.13
4.	अन्य उद्योग	08	25.00
	सकल योग	32	100.00

उद्योग की ओर उत्कृष्ट होने के कारण

इस प्रश्न के द्वारा यह जानने की कोशिश की गई है कि उद्योगों की और उत्कृष्ट होने के कारण क्या है। प्रतिबन्धित प्रकृति के इस प्रश्न में दिये गये विकल्पों में से एक विकल्प को चुनने की अपेक्षा रखी गई है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं को निम्न तालिका के माध्यम से स्पष्ट किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.5
उद्योगों की और आकृष्ट होने के कारण

क्र. सं.	कारण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	पारिवारिक पृष्ठभूमि	20	62.50
2.	प्रेरणा	03	9.38
3.	स्वयं–स्फूर्त	09	28.12
	सकल योग	32	100.00

उद्योगों के क्षेत्र में आने से पूर्व परिवार का स्तर

आगामी तालिका में उत्तरदाताओं से यह जानने का प्रयत्न किया गया है कि उद्योगों के क्षेत्र में आने से पूर्व उनके परिवार का स्तर क्या था। इन विकल्पों को तालिका के माध्यम से निरूपति किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.6
उद्योगों के क्षेत्र में आने से पूर्व परिवार का स्तर

क्रं सं.	पारिवारिक स्तर	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	निम्न	0	0
2.	मध्यम	30	93.72
3.	उच्च	02	6.25
	सकल योग	32	100.00

पूरक प्रश्न के द्वारा उत्तरदाताओं से यह जानने का प्रयास किया गया कि उद्योग क्षेत्र में आने के पश्चात् पारिवारिक स्तर पर क्या प्रभाव पडा है। उत्तरदाताओं द्वारा व्यक्त प्रतिक्रियाओं को तालिका 6.7 में संजोया गया है।

तालिका संख्या 6.7
उद्योग के क्षेत्र में आने के पश्चात् पारिवारिक स्तर

क्र. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	पहले से उच्च	21	65.63
2.	वैसा ही	09	28.12

3.	बदतर	02	6.25
	सकल योग	32	100.00

परिवार में उद्योग क्षेत्र में कोई सदस्य

प्रस्तुत अध्ययन हेतु चयनित उत्तरदाताओं से यह जानने का प्रयत्न किया गया कि उद्योग के क्षेत्र में आपके परिवार में से कोई सदस्य है अथवा नहीं इन विकल्पों के रूप में प्राप्त प्रतिक्रियाओं को तालिका संख्या 6.8 के द्वारा निरूपित किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.8
परिवार में उद्योग के क्षेत्र में कोई सदस्य

क्र. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	20	62.50
2.	नहीं	12	37.50
	सकल योग	32	100.00

जिला उद्योग केन्द्र की जानकारी (परिचय)

जिला उद्योग केन्द्र की जानकारी उद्यमियों को है अथवा नहीं। इस प्रश्न के द्वारा उतरदाताओं से जिला उद्योग केन्द्र के बारे में परिचय पूछा गया है। उत्तरदाताओं द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रियाओं को निम्न तालिका द्वारा निरूपति किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.9
जिला उद्योग केन्द्र की जानकारी

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	30	93.75
2.	नहीं	02	6.25
	सकल योग	32	100.00

जिला उद्योग केन्द्र से सहायता व सुविधाए प्राप्ति

जिले के उत्तरदाताओं से यह जानने का प्रयास किया गया कि क्या जिला उद्योग केन्द्र से उन्हें सहायता व सुविधाएं प्राप्त हुई है। इन उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को तालिका 6.10 के माध्यम से स्पष्ट किया जा रहा है।

तालिका 6.10
जिला उद्योग केन्द्र में सहायता व सुविधाएं प्राप्ति

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	16	50
2.	नहीं	16	50
	सकल योग	32	100.00

उपर्युक्त प्रश्न से सम्बन्ध एक अन्य प्रश्न उन उत्तरदाताओं से पूछा गया है। जिन्होने जिला उद्योग केन्द्र से सहायता व सुविधाएं प्राप्त होती है। उनसे इस प्रश्न द्वारा यह पूछा गया है कि कैसी अथवा क्या सहायता व सुविधाएं प्राप्त की है। उत्तरदाताओं द्वारा व्यक्त प्रतिक्रियाएं आगामी तालिका संख्या 6.11 में संकलित है।

तालिका संख्या 6.11
यदि हाँ तो क्या

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	राज–सहायता	12	37.50
2.	पूँजी राज–सहायता	02	6.25
3.	बिक्री कर प्रोत्साहन	02	6.25
4.	अप्रयोज्य	16	50.00
	सकल योग	32	100.00

उद्योग स्थापित करते समय कठिनाईयां

उद्योग लगाते समय क्या कठिनाईयां होती है के प्रत्युत्तर में हाँ व नहीं के विकल्प में प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया है। इस प्रश्न के माध्यम से उद्योग स्थापित करते समय होने वाली कठिनाईयाँ के अनुभव को रेखांकित किया है। इसी से जुडा पूरक प्रश्न उन उत्तरदाताओं से किया गया जिन्होने हाँ में प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इसमें उद्योगों को लगाते समय होने वाली कठिनाईयों को इंगित किया गया है।

तालिका संख्या 6.12
उद्योग स्थापित करते समय कठिनाईया

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	08	25
2.	नहीं	24	75
	सकल योग	32	100.00

क्या जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सहायता व सुविधाए सरलता से प्राप्त होती है

जिले के उद्यमियों से यह जानने का प्रयास किया गया है कि क्या जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सहायता व सुविधाएं सरलता से प्राप्त होती है। इस प्रश्न की प्रतिक्रिया को हाँ अथवा नहीं में संकलित किया गया है। इन संकलित प्रतिक्रियाओं को तालिका के माध्यम से निरूपित किया गया है।

तालिका संख्या 6.13
जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सहायता व सुविधाएं सरलता से प्राप्त होती है।

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	06	18.75
2.	नहीं	26	81.25
	सकल योग	32	100.00

जिला उद्योग केन्द्र के पदाधिकारियों व कर्मचारियों का व्यवहार सामान्यतः उचित है

इस प्रश्न के माध्यम से जिला उद्योग केन्द्र के पदाधिकारियों व कर्मचारियों के व्यवहार का आकलन किया गया है। उत्तरदाताओं से हाँ अथवा नहीं में प्रतिक्रिया देने को आग्रह किया गया है। इन प्रतिक्रियाओं को तालिका के माध्यम से स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। जो अग्रलिखित निरूपित है।

तालिका संख्या 6.14
जिला उद्योग केन्द्र के पदाधिकारियों व कर्मचारियों का व्यवहार सामानयतः उचित है।

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	14	44
2.	नहीं	18	56
	सकल योग	32	100.00

जिला उद्योग केन्द्र एक ही छत के नीचे सभी सहातया से सुविधाए प्रदान करता है

इस प्रश्न के माध्यम से यह जानने का प्रयत्न किया गया है कि जिला उद्योग केन्द्र एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं व सहायता प्रदान करता हैं अथवा नहीं। इस प्रश्न के प्रत्युत्तर से हाँ व नहीं का विकल्प रखा गया है। इनकी प्रतिक्रियाओं को तालिका संख्या 6.15 के माध्यम से चित्रित किया गया है।

तालिका संख्या 6.15
जिला उद्योग केन्द्र एक ही छत के नीचे सभी सहायता व सुविधाएं प्रदान करता है

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	2	6.25
2.	नहीं	28	87.50
3.	कोई जानकारी नहीं	2	6.256
	सकल योग	32	100.00

उद्योग विभाग द्वारा संचालित नई–नई योजनाओं के बारे में जानकारी है

उद्योग विभाग द्वारा समयानुसार उद्योगों की आवश्यकता नई–नई योजनाओं का सृजन किया जाता है। इन योजनाओं के बारे में उद्यमियों को बराबर जानकारी रहती है या नही। इस प्रश्न के माध्यम से जिला उद्योग केन्द्र व उद्यमियों के मध्य सम्प्रेषण की प्रभावशीलता के बारे में जानकारी करना अध्ययन का उद्देश्य है। उत्तरदाताओं द्वारा व्यक्त प्रतिक्रियाओं को तालिका संख्या 6.16 में व्यक्त किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.16
उद्योग विभाग द्वारा संचालित नई–नई योजनाओं के बारे में जानकारी है

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	01	3.12
2.	नहीं	31	96.88
	सकल योग	32	100.00

क्या आप एकल खिड़की योजना से परिचित है।

प्रस्तुत अध्ययन हेतु चयनित उत्तरदाताओं से **एकल खिडकी योजना** से परिचित होने के संदर्भ में पूछा गया है। इस योजना का प्रचार–प्रसार विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर किया गया था। इस प्रश्न के माध्यम से वांछित परिणाम तथा योजना से परिचित होने की जानकारी चाही गई है। इस संबद्ध में उत्तरदाताओं द्वारा व्यक्त प्रतिक्रियाओं को निम्न तालिका में संकलित किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.17
एकल खिडकी योजना से परिचित

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	17	53.15
2.	नहीं	15	46.85
	सकल योग	32	100.00

कुटीर व लघु उद्योगों से अधिक से अधिक प्रोन्नत जिला उद्योग केन्द्र द्वारा किया जाता है के विचार से संतुष्टि

जिले के उद्यमियों से कुटीर व लघु उद्योगों को जिला उद्योग केन्द्र द्वारा अधिक से अधिक प्रोन्नत किया जाता है। इस प्रश्न के सन्दर्भ में उत्तरदाताओं की संतुष्टि के बारे में जानकारी चाही गई है प्रश्न के प्रत्युत्तर में प्रतिक्रियाएं हाँ अथवा नहीं के विकल्प के रूप देने का आग्रह भी किया गया है। इसकी प्रतिक्रियाओं आगामी तालिका में द्रष्टव्य है।

तालिका संख्या 6.18
कुटीर व लघु उद्योगों से अधिक से अधिक प्रोन्नत जिला उद्योग केन्द्र द्वारा किया जाता है के विचार से संतुष्टि

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	11	34.37
2.	नहीं	21	65.63
	सकल योग	32	100.00

शेखावटी उद्योग मेले के बारे में उद्यमियों की राय

सीकर जिले में विगत पाँच वर्षों से जिला मुख्यालय पर शेखावटी उद्योग मेले का आयोजन किया जाता है। इस शेखावटी उद्योग मेले के बारे में उत्तरदाताओं से राय प्राप्त की गई है। इन उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं की तालिका संख्या 6.19 में स्पष्ट किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.19
शेखावटी उद्योग मेले के बारे में उद्यमियों की राय

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	महत्वपूर्ण प्रयास	089	25.00
2.	अनावश्यक	20	62.50
3.	आंशिक रूप से महत्वपूर्ण	03	9.37
4.	कोई प्रतिक्रिया नहीं	01	3.13
	सकल योग	32	100.00

आपने क्षेत्र में औद्योगिक बाजार की स्थिति

इस प्रश्न के माध्यम से यह जानने का प्रयत्न किया है कि जिले में अलग–अलग क्षेत्रों की औद्योगिक बाजार की स्थिति क्या है। अपने–अपने क्षेत्र में कतिपय समस्याएँ हो सकती है। इसी कारण वहाँ औद्योगिक बाजार की जानकारो हेतु विकल्पनात्मक प्रत्युत्तर

यथा–पर्याप्त, परिवर्तनशील इत्यादि में से एक विकल्पन के रूप में प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया गया है। इन विकल्पों में प्राप्त प्रतिक्रियाओं को आगामी तालिका में निरूपित किया जा रहा है।

तालिका संख्या 6.20

आपके क्षेत्र में औद्योगिक बाजार की स्थिति

क्रं. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	पर्याप्त	04	12.50
2.	अपर्याप्त	27	84.38
3.	परिवर्तनशील	01	3.12
		32	100.00

उद्योग विभाग द्वारा लगाये जाने वाले शिविरों की जानकारी

अनुसूची के अग्रिम क्रम में जिले के उद्यमियों से उद्योग विभाग द्वारा लगाये जाने वाले शिविरों की जानकारी के बारे में पूछा गया है। इन शिविरों के जानकारी भी रहती है। अथवा नहीं। इस प्रश्न के पूछने का उद्देश्य यह भी है कि इन शिविरों का आयोजन मात्र औपचारिक है अथवा वास्तविक रूप में उद्यमियों को उद्योग संबंधी सहायता व सुविधाएँ उपलब्ध करवायी जाती है। प्रश्न के प्रत्युत्तर में प्राप्त प्रतिक्रियाओं को तालिका संख्या 6.21 में संकलित किया गया है।

तालिका संख्या 6.21

उद्योग विभाग द्वारा लगाये जाने वाले शिविरों की जानकारी

क्र. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	05	15.62
2	नहीं	27	84.38
	सकल योग	32	100.00

जिला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली से सन्तुष्टि

इस प्रश्न के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया कि उद्यमी जिला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली से सन्तुष्ट हैं अथवा नहीं ? इन प्रतिक्रियाओं को तालिका संख्या 6.22 के माध्यम से स्प"ट किया गया है :

तालिका संख्या 6.22

जिला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली से सन्तुष्टि

क्र. सं.	उत्तरदाताओं की सन्तुष्टि	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	09	28.12
2	नहीं	23	71.88
	स्कल योग	32	100.00

जिन उत्तरदाताओं ने जिला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली को सन्तोषजनक नहीं माना है, उनसे इसी प्रश्न से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछा गया है। इस पूरक प्रश्न के माध्यम से यह जानने का प्रयत्न किया गया कि क्या कारण है, जिससे ज़िला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली से सन्तुष्ट नहों है? इस मुक्त प्रकृति के माध्यम से संकलित प्रतिक्रियाएँ इस प्रकार हैं:

1. जिला उद्योग केन्द्र की कार्यपणाली सिद्धान्ततः आकर्षक है किन्तु व्यवहार में सहयोगी प्रकृति की नहीं है और मनमाना व्यवहार भी होता है।
2. ज़िला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली केवल उद्योगों का पंजीयन करने हतु ही है।
3. ज़िला उद्योग केन्द्र के कर्मचारियों व अधिकारियों का व्यवहार सिद्धान्त के प्रतिकूल है। कार्य में विलम्ब व अफसरशाही का बोलबाला, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।
4. ज़िला उद्योग केन्द्र द्वारा उद्योगों को आर्थिक छूट व सहायताएं दी जाती थी, वह वर्तमान में समाप्त कर दी गयी हैं तथा उद्योगों के लिए किसी प्रकार की आर्थिक छूट व सहायता नहीं है।
5. लघु व कुटीर उद्योगों का पर्याप्त सहायता व सुविधाएँ भी प्रदत्त नहीं है। इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि ज़िला उद्योग केन्द्र की आकर्षक घोषणाएँ उद्यमियों का ध्यान खींचती है परन्तु व्यवहार में ये योजनाएँ तथा कार्मिकों के व्यवहार ने उद्यमियों को निराश ही किया है। कार्य में विलम्ब होना व अधिकारियों और कर्मचारियों का मनमाना व्यवहार भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करता है। इन सभी कारणों से उत्तरदाताओं ने ज़िला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली को सन्तुष्टिजनक नहीं माना है।

ज़िला उद्योग केन्द्र में कार्य करवाते समय अतिरिक्त प्रयास करना पड़ता है।

उत्तरदाताओं से यह जानने का प्रयास किया गया कि ज़िला उद्योग केन्द्र से कार्य करवाते समय अतिरिक्त प्रयास करना पड़ता है या नहीं। इस प्रश्न की प्रतिक्रिया 'हाँ' अथवा 'नहीं' में देने का आग्रह किया गया है। इस प्रश्न के प्रत्युत्तर में प्राप्त प्रतिक्रियाओं को तालिका संख्या 6.23 में स्पष्ट किया गया है :–

तालिका संख्या 6.23

ज़िला उद्योग केन्द्र में कार्य करवाते समय अतिरिक्त प्रयास करना पड़ता है।

क्र. सं.	उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	07	21.88
2.	नहीं	25	78.12
	सकल योग	32	100.00

इसकी वास्तविकता इस प्रश्न के पूरक प्रश्न के माध्यम से स्पष्ट हो सकेगी। इस पूरक प्रश्न के माध्यम से उन उत्तरदाताओं से जानने का प्रयास किया जिन्होंने पूर्व में ज़िला उद्योग केन्द्र में कार्य करवाते समय अतिरिक्त प्रयास करना स्वीकार किया है। उन उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट हुआ यथा –

1. भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता है।
2. अनुचित प्रयास भी करने पड़ते है।
3. अनुचित साधनों का आलम्बन लेना पड़ता है।
4. रिश्वत देना स्वीकार किया है।
5. कार्य करवाने हेतु चक्कर भी लगाने पड़ते है।
6. प्रभावशाली व्यक्ति का आलम्बन लेना पड़ता है आदि आदि।

इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि ज़िला उद्योग केन्द्र में कार्य करवाते समय अतिरिक्त प्रयास भी करने पड़ सकते है। अधिकतर उत्तरदाताओं का मानना है कि उन्होंने कार्य करवाते समय अतिरिक्त प्रयास नहीं किया है, उन्होंने महज प्रश्न से बचने का प्रयास ही किया है। इस प्रकार की प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि ज़िला उद्योग केन्द्र में कार्य अबाधित गति से चलता है, किन्तु कतिपय लोगों को अतिरिक्त प्रयास भी करने पड़ते हैं।

ज़िला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली में सुधार हेतु सुझाव

अनुसूची के अन्तिम प्रश्न के माध्यम से ज़िला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली में सुधार हेतु सुझाव देने का उत्तरदाताओं से आग्रह किया गया। इस मुक्त प्रकृति के प्रश्न के माध्यम से उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को संकलित किया गया जो ज़िला उद्योग केन्द्र की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए आव"यक सुझाव निम्नानुसार व्यक्त किये है :

1. ज़िला उद्योग केन्द्र अपनी कार्यप्रणाली को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान करें।
2. ज़िला उद्योग केन्द्र के अधिकारियों व कर्मचारियों का व्यवहार उद्यमियों के प्रति दरोगा शैली का न होकर सहयोगी प्रकृति का होना चाहिए, जिससे उद्यमियों को प्रोत्साहन मिल सके।
3. **'आज का काम आज'** की नीति का कार्य करके ज़िला उद्योग केन्द्र को सकारात्मक एवं सुदृढ़ सहयोग करना चाहिए।
4. उद्योग लगाते समय ज़िला उद्योग केन्द्र बाधक न बने वरन् सहायता व सुविधाएँ प्रदान करे। सिनेमा जैसे उद्योग को औद्योगिक श्रेणी में माना जाये। इस उद्योग को अन्य उद्योगों की भाँति रियायतें दी जानी चाहिए।
5. ज़िला उद्योग केन्द्र वर्तमान में उद्यमियों को सभी सहायता व सुविधाएँ न देकर मात्र उद्योगों का पंजीयन करता है। उद्यमियों को इस प्रकार की सहायता व सुविधाएँ न मिलने के कारण उद्योग दरिद्रता के कगार पर पहुँच रहे है। उन्हें पूर्ववत रियायतें व सुविधाएँ पुनः दी जानी चाहिए ताकि नवउद्यमी भी उद्योगों की ओर आकृष्ट हो सके।
6. ज़िला उद्योग केन्द्र द्वारा गठित जाँचदल हो ताकि वह उद्योगों की स्थिति की जाँच कर सकें तथा समय–समय पर उद्योग विभाग द्वारा आयोजित शिविरों की जानकारी भी उद्यमियों को देवें, ताकि उद्यमियों का जुड़ाव प्रत्यक्ष रूप से ज़िला उद्योग केन्द्र से बना रहे।
7. कार्य समय पर हो तथा योजनाओं व नये नियमों में स्पष्ट पारदर्शिता हो ताकि कार्यों का सरलीकरण हो सके।
8. अफसरशाही व लालफीताशाही पर अंकुश हो।
9. इन्सपेक्टर–राज से उद्योगों को मुक्ति मिले, जिससे कि उद्यमियों को बार–बार कठिनाईयों का सामना न करना पड़े।
10. 'एकल खिड़की योजना' का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए ताकि उद्यमियों को विभिन्न विभागों में भटकना नहीं पड़े।
11. औद्योगिक इकाइयों की आन्तरिक समस्या व तकनीकी बाधाओं को दूर करने में सहायता करे, जिससे उद्योगों को प्रोत्साहन मिले। उद्योग विभाग की गतिविधियों की जानकारी हेतु ज़िला उद्योग केन्द्र व उद्यमियों के मध्य सतत् संवाद व सम्प्रेषण की आव"यकता प्रतीत होती है।
12. कुटीर व लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने हेतु समय–समय पर ज़िला उद्योग केन्द्र शिविरों का आयोजन करके उनसे सम्बन्धित समस्याओं को दूर करने में सहायता प्रदान करे।
13. भ्रष्टाचार को रोकने हेतु प्रभावी उपाय किये जाने चाहिए ताकि उद्योगों की ओर नवउद्यमियों का ध्यान आकृष्ट किया जा सके।
14. ज़िला उद्योग केन्द्र को समय–समय पर उद्योगों की स्थिति की जाँच करनी चाहिए ताकि उद्योगों से सम्बन्धित समस्याएँ दूर की जा सके।

उपर्युक्त सुझावों के अवलोकन से स्पष्ट है कि ज़िला उद्योग केन्द्र को अपनी कार्यशैली को परिवर्तित करते हुए कार्यप्रणाली को पारदर्शी व सरल बनाना चाहिए। ज़िला उद्योग केन्द्र के कार्मिकों का व्यवहार सहयोगात्मक होना चाहिए न कि बाधा उत्पन्न करने वाला। उद्योगों को इन्स्पेक्टरराज से मुक्ति दिलाने का कार्य हो तथा लालफीताशाही व अफसरशाही पर अंकुश लगे। लघु व कुटीर उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की नींव है, सर्वप्रथम इन्हें पर्याप्त सहायता व सुविधाएँ प्रदान कर प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता प्रतीत होती है। नव उद्यमियों को उद्योग इकाई लगाते समय ज़िला उद्योग केन्द्र सकारात्मक सहयोग प्रदान करे। इस सकारात्मक सहयोग के कारण नवउद्यमियों का ध्यान उद्योगों की ओर आकृष्ट किया जा सकेगा, जिससे औद्योगिक वातावरण बनाने की दिशा में मार्ग–प्रशस्त होगा।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः सीकर जिले में ज़िला उद्योग केन्द्र एवं उद्यमियों के मध्य सहसम्बन्ध के संबंध में निम्न तथ्य उद्घटित हुए हैं :

1. सीकर ज़िले में ज़िला उद्योग केन्द्र एवं उद्यमियों के मध्य सहसम्बन्ध के बारे में संवाद व सम्प्रेषण का अभाव प्रतीत होता है।
2. ज़िला उद्योग केन्द्र उद्यमियों की समस्याओं से भी परिचित नहीं है।
3. वर्तमान में ज़िला उद्योग केन्द्र उद्यमियों के बराबर दूरी बनाए हुए है, जिससे ज़िले का औद्योगिक वातावरण प्रभावित होता है।
4. औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े ज़िले में उद्यम के क्षेत्र में पहल साहसिक कार्य ही माना जायेगा। अतः पूर्व में वर्णित न्यूनताओं में उत्तरदाताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप सुधार या परिवर्तन किया जाना अपेक्षित है।

इन सुधारों से ज़िला उद्योग केन्द्र की छवि में सुधार होगा तथा ज़िला उद्योग केन्द्र एवं ज़िले के

उद्यमियों के मध्य परस्पर अच्छे सहसम्बन्ध स्थापित हो सकेंगे।[7]

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. दत्त रूद्र एवं सुन्दरम् के.पी.एम.;1998 : 'भारतीय अर्थव्यवस्था' एस चांद एण्ड कम्पनी लि. रामनगर, नई दिल्ली पृष्ठ 125।
2. तत्रेव
3. बंसल दिनेश कुमारःडिस्ट्रिक्ट इण्डस्ट्रीज सेन्टर ;1985 थिसिस, डिपार्टमेन्ट ऑव् बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन यूनीवर्सिटी आव् राजस्थान, जयपुर, पृष्ठ 3
4. तत्रेव पृष्ठ 4
5. कार्यालय, ज़िला उद्योग केन्द्र, सीकर से मौखिक वस्तुस्थिति को जानकर शोधार्थी द्वारा स्वयं निर्मित चार्ट।
6. बंसल दिनेश कुमारः डिस्ट्रिक्ट इण्डस्ट्रीज सेन्टर थिसिस (1985), डिपार्टमेन्ट ऑव् बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन यूनीवर्सिटी आफ राजस्थान, जयपुर, पृष्ठ 135
7. वर्मा सुरेश कुमार ज़िला उद्योग केन्द्र : प्रशासनिक कार्यप्रणाली एवं जनसंतुष्टि (सीकर जिले का एक अनुभवमूलक अध्ययन) थिसिस (2004) लोक प्रशासन विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर